


## पेट पूजा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी

अरे यार, सच बताऊं तो कल शाम से मेरा दिमाग घूम गया है। घूम क्या गया है, एकदम चकरघिन्नी हो गया है! पिक्चर का नाम होना चाहिए गैंग्स ऑफ वासेपुर नहीं, गैंग्स ऑफ भुक्खड़पुर! तुम लोग जो ये दिन भर स्टार्टअप, यूनिकॉर्न और फंडिंग का राग अलापते रहते हो ना, सब फेल है। जैसा कि डॉन फिल्म में कहा गया था डॉन को पकड़ना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है, वैसे ही इन भुक्खड़ लड़कों के दिमाग को समझना मुश्किल ही नहीं, नामुमकिन है। असली बिजनेस तो अपने शहर के चार छोरों ने खोज निकाला है। न कोई दफ्तर, न कोई जीएसटी, न कोई बैलेंस शीट। बस दो पुरानी बाइकें, चार खुरपे जैसे दिमाग और एक अदद व्हाट्सएप रुप!

हुआ यूं कि कल शाम मैं जरा टहलने निकला था। क्या देखता हूं कि नुक्कड़ पर चार लौंडे अपनी बाइकों का इंजन गरमा रहे हैं। मुझे लगा कोई रेसिंग वगैरह का चक्कर है। मैंने पूछ लिया, ‘क्यों भइया, किधर की तैयारी है?’ उनमें से एक, जो मफलर को ऐसे लपेटे था जैसे कोई बड़ा खुफिया एजेंट हो, नाक सिकोड़कर हवा में सूंघते हुए बोला, गुरुजी, पछुआ हवा चल रही है और उधर सिविल लाइंस की तरफ से देसी घी में काजू भुनने की बास आ रही है। आज राठी जी के यहां तिलक है, माल कड़क बना है! उनकी यह हवा में खुशबू सूंघने की कला के सामने तो पुलिसिया के-9 भी पानी भरते हैं। मैं तो सन्न! भाई, हम लोग हवा में प्रदूषण नापते हैं और ये पट्ठे हवा में हींग, जीरे और तंदूरी मुर्गे की लोकेशन ट्रेस कर रहे हैं! बाद में पता चला कि ये कोई मामूली भुक्खड़ नहीं हैं, इन्होंने बाकायदा पेट पूजा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी खोल रखी है।

इनका धंधा करने का तरीका सुनोगे तो पेट पकड़कर लोटपोट हो जाओगे। सबसे पहले ये शहर के उन भुक्खड़ों को ढूंढते हैं जिनकी जेब में तो मूंगफली खरीदने के पैसे नहीं होते, पर जिनके पेट में पूरा हलवाई समा सकता है। ऐसे भूखे शेरों को बड़े प्यार से एक व्हाट्सएप रुप में जोड़ा जाता है। शुरुआत में बिल्कुल वैसा ही चलता है जैसे गली का पान वाला पहले तीन दिन मुफ्त में मीठा पान खिलाकर लत लगाता है। रुप में मैसेज आता है, भाइयो, आज शाम आठ बजे, शांति वाटिका। पनीर टिक्का और गुलाब जामुन की फुल गारंटी। चेहरे पर बारातों वाली मुस्कान चिपकाएं और सीधा काउंटर पर धावा बोलें। अब बताओ, मुफ्त का पनीर टिक्का देखकर किसका ईमान नहीं डोलेगा? चटोरे भाई लोग नहा धोकर, सस्ता वाला सेंट छिड़ककर ऐसे पहुंचते हैं मानो दिलवाले दुल्हनिया ले जाएंगे का राज अपनी सिमरन के लिए नहीं, बल्कि रसमलाई के लिए आया हो। तीन दावतों तक जब उनकी जीभ पर मुफ्त के काजू बादाम का ऐसा चस्का लग जाता है कि घर की लौकी देखकर उन्हें उबकाई आने लगती है, तब एडमिन साहब असली पत्ता फेंकते हैं।

चौथी दावत से पहले ग्रुप में कड़क फरमान जारी होता है, प्यारे पेटुओ, मुफ्त का चंदन घिस चुका, अब अपनी हैसियत के हिसाब से जेब ढीली करो! और यहीं से शुरू होते हैं इनके वो अतरंगी पैकेज, जिनके नाम सुनकर बड़ी बड़ी कंपनियां शरमा जाएं। सबसे पहला और सस्ता जुगाड़ है चटोरा लाइट या घासफूस सिल्वर पैक। मात्र सौ रुपये महीना! सौ रुपये दो और पूरे महीने शहर भर की शाकाहारी दावतों का गूगल मैप पाओ। कहां पूड़ी छन रही है, कहां दाल मखनी में मक्खन तैर रहा है, सब खबर मोबाइल पर। सौ रुपये में तीस दावतें! यानी तीन रुपये तैंतीस पैसे में भरपेट खाना। इतने में तो आजकल भिखारी भी दुआ नहीं देता साहब!

अब जो लोग पनीर से बोर होकर कुछ जानदार माल चाहते हैं, उनके लिए है हड्डी तोड़ प्रो मैक्स। इसकी फीस है ढाई सौ रुपये महीना। ढाई सौ रुपये जमा करते ही आपके फोन पर उन दावतों की गुप्त लोकेशन गिरने लगती है जहां बिरयानी की देग का ढक्कन खुलते ही मोहल्ले भर के कुत्तों तक को समाधि लग जाती है। ये लड़के पहले खुद जाकर बावर्ची के पास खड़े होकर मसाले की खुशबू चेक करते हैं और जब तसल्ली हो जाती है कि माल असली है, तभी अपने प्रो सदस्यों को हरी झंडी दिखाते हैं। लेकिन असली जलवा तो तब शुरू होता है जब आप पांच सौ रुपये वाले तीसरे पैकेज में कूदते हैं। इसका नाम रखा है इन्होंने धन्नासेठ अल्ट्रा डीलक्स! सच कहूँ तो मुगल-ए-आजम का सलीम भी ऐसी दावत देखकर अनारकली को भूल जाता! इसमें आपको गली मोहल्ले की साधारण शादियों में धक्के नहीं खाने पड़ते। पांच सौ रुपये दो और शहर के सबसे बड़े सेठों और उद्योगपतियों की पार्टियों में जाओ। यहां प्लेट लेकर लाइन में नहीं लगना पड़ता, बल्कि सजीले वेटर खुद आपके सामने काजू कतली और विदेशी पकवानों की थाल लेकर घूमते हैं। आप भी ऐसे तनकर खड़े होते हैं मानो शहर की आधी फैक्ट्रियों में आपका ही पैसा लगा हो।

और अब सुनो इस सदी का सबसे बड़ा अजूबा! चौथा और सबसे तगड़ा पैकेज, पूरे एक हजार रुपये का। इसे कहते हैं महामहिम प्लैटिनम वीआईपी बॉस! जिसका नाम सुनते ही गब्बर भी बोले, सो जा बेटे, वरना वीआईपी बॉस आ जाएगा! एक हजार रुपये दो और फिर देखो इनका कमाल। ये लड़के आपको सिर्फ दावत का पता ही नहीं बताते, बल्कि बाकायदा किराये पर कड़कड़ाती हुई भारी शेरवानी, चमकदार ब्लेजर, सुनहरी घड़ी और पॉलिश किए हुए जूते भी पहनाते हैं। आपका हुलिया ऐसा बना दिया जाता है कि मोहल्ले का कुत्ता भी आपको देखकर दुम हिलाने लगे। फिर आपको भेजा जाता है सीधे मंत्रियों, सांसदों और जिले के बड़े अफसरों की शाही दावतों में! जहाँ वे मन ही मन कहते होंगे, हम भी वो हैं जो कभी किसी के पीछे खड़े नहीं होते... सीधे मंत्री जी के बगल में प्लेट लेकर जम जाते हैं!

जरा उस सीन की कल्पना करो! एक तरफ जिले के कप्तान साहब खड़े हैं, दूसरी तरफ विधायक जी ठहाके लगा रहे हैं, और ठीक उनके बगल में किराये की शेरवानी में कसे हुए हमारे प्लैटिनम बॉस प्लेट में मलाई कोफ्ता दबाए खड़े हैं। कोई माई का लाल अंदाजा नहीं लगा सकता कि ये महापुरुष सुबह घर में बासी रोटी और आम के अचार पर गुजारा करके निकले थे। कभी किसी मंत्री के कंधे से कंधा मिलाकर सेल्फी खींचते हैं, तो कभी किसी अफसर की हां में हां मिलाकर गर्दन हिलाते हैं और इस पूरे तमाशे के बीच हर दस मिनट में प्लेट बदल बदलकर रबड़ी और हलवा ऐसे साफ करते हैं मानो देश की जीडीपी बढ़ाने का सारा ठेका इन्हीं के पेट ने ले रखा हो! सच कहूं तो सुनकर हंसी रुकती नहीं है। पेट में बल पड़ जाते हैं। लेकिन हंसते हंसते अचानक एक अजीब सी झेंप भी होती है यार! ये चार लड़के तो सिर्फ हमारी इसी कमजोरी की दुकान चला रहे हैं। उन्हें पता है कि इस शहर में लोगों को भूख रोटी की कम और भौकाल की ज्यादा है। दिन भर हम लोग ईमानदारी, खुद्दारी और स्वाभिमान के बड़े बड़े लेक्चर झाड़ते हैं और रात के आठ बजते ही सौ रुपये की पर्ची कटवाकर किसी अनजान की पत्तल पर लार टपकाने पहुंच जाते हैं। किराये की शेरवानी पहनकर जब हम किसी नेता की दावत में झूठी बत्तीसी दिखाते हैं, तो असल में हम मुफ्त की पूड़ियां नहीं निगल रहे होते, बल्कि बड़े मजे से अपनी ही रीढ़ की हड्डी चबा रहे होते हैं।

# आठवीं तक का पाठ्यक्रम अधूरा, पांच महीने बाद भी सरकारी स्कूलों में 50 प्रतिशत ही हुई पढ़ाई

पीथमपुर। सरकारी स्कूलों में शैक्षणिक सत्र शुरू हुए करीब पांच महीने बीत चुके हैं, लेकिन इसके बावजूद पाठ्यक्रम पूरा करने की स्थिति संतोषजनक नहीं है। आठवीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के लिए अब तक करीब 50 प्रतिशत पाठ्यक्रम ही पूरा हो पाया है।

शिक्षा विभाग के सामने अब 31 दिसंबर तक शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम पूरा कराने की चुनौती है। खास बात यह है कि 1 दिसंबर से अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं शुरू होने जा रही हैं। ऐसे में सीमित समय में पढ़ाई पूरी कराने के साथ परीक्षा की तैयारी करवाना स्कूलों के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।

### अतिरिक्त कक्षाएं लगाकर पूरा कराया जाएगा पाठ्यक्रम

शिक्षा विभाग के अधिकारियों का दावा है कि दिसंबर के अंत तक सभी कक्षाओं का पाठ्यक्रम पूरा करा लिया जाएगा। इसके लिए जरूरत पड़ने पर स्कूलों में अतिरिक्त कक्षाएं भी लगाई जाएंगी। हालांकि, अभी करीब आधा पाठ्यक्रम बाकी होने के कारण शिक्षकों के सामने इसे तय समय में पूरा कराने का दबाव रहेगा। इसके साथ ही विद्यार्थियों को अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं की तैयारी भी करनी होगी।

### जनगणना और बोर्ड परीक्षाओं से भी प्रभावित होगी पढ़ाई



दिसंबर के बाद स्कूलों में जनगणना से जुड़े कार्यों की तैयारी और अन्य शासकीय गतिविधियों का असर भी शिक्षण व्यवस्था पर पड़ सकता है। जनगणना का कार्य फरवरी में शुरू होने की जानकारी दी गई है। इसके अलावा बोर्ड परीक्षाओं की तैयारियों भी इसी दौरान चलेंगी। ऐसे में दिसंबर का महीना पाठ्यक्रम पूरा कराने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

### पढ़ाई के अलावा भी शिक्षकों पर कई जिम्मेदारियां

सरकारी स्कूलों में शिक्षकों को नियमित कक्षाएं लेने के साथ मध्यान्ह भोजन, गणवेश वितरण, साइकिल वितरण और अन्य शासकीय योजनाओं से जुड़े कार्य भी करने पड़ते हैं।

इन जिम्मेदारियों के कारण शिक्षकों का काफी समय प्रशासनिक और विभागीय कार्यों में भी खर्च होता है। ऐसे में नियमित पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय निकालना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

**31 दिसंबर तक शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम पूरा करने का लक्ष्य, 1 दिसंबर से शुरू होंगी अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं; अतिरिक्त कक्षाएं लगाकर कोर्स पूरा कराने की तैयारी**

### अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं के लिए सात दिन का कार्यक्रम

आठवीं तक की अर्द्धवार्षिक परीक्षाएं 1 दिसंबर से शुरू होकर सात दिनों तक चलेंगी। परीक्षा कार्यक्रम के बीच पढ़ाई और पाठ्यक्रम पूरा कराने की प्रक्रिया प्रभावित होने की आशंका भी जताई जा रही है। विद्यार्थियों का कहना है कि हिंदी और अंग्रेजी का पाठ्यक्रम लगभग पूरा है, जबकि गणित और विज्ञान जैसे विषयों में अभी पढ़ाई बाकी है। ऐसे में परीक्षा से पहले शेष पाठ्यक्रम की तैयारी करना उनके लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

### 50 प्रतिशत पाठ्यक्रम पूरा, बाकी के लिए बढ़ाने होंगे प्रयास

शिक्षा विभाग के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती यह है कि अर्द्धवार्षिक परीक्षाओं और अन्य शासकीय कार्यों के बीच विद्यार्थियों की नियमित पढ़ाई प्रभावित न हो। दिसंबर तक शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम पूरा करने का लक्ष्य तभी पूरा हो सकेगा, जब स्कूलों में अतिरिक्त कक्षाओं के साथ नियमित शिक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया जाए।

## सागौर आबकारी वृत्त कार्यालय में RS-2A एवं RS-2B लाइसेंसधारियों की बैठक, भंडारण से लेकर परिवहन तक के रिकॉर्ड अपडेट रखने को कहा

पीथमपुर। औद्योगिक इकाइयों में रेक्टिफाइड स्पिरिट और अन्य रासायनिक पदार्थों के सुरक्षित उपयोग तथा निर्धारित नियमों के पालन को लेकर आबकारी विभाग ने शुक्रवार को लाइसेंसधारियों की बैठक आयोजित की।

पीथमपुर आबकारी वृत्त सागौर कार्यालय में हुई बैठक में RS-2A एवं RS-2B लाइसेंसधारी कंपनियों के प्रतिनिधियों को सुरक्षा मानकों और मानक संचालन प्रक्रिया (SOP) की जानकारी दी गई।

बैठक में सहायक जिला आबकारी अधिकारी मनमोहन शर्मा एवं आबकारी उपनिरीक्षक मुनेंद्र सिंह जादौन ने कंपनियों के प्रतिनिधियों को रेक्टिफाइड स्पिरिट के उपयोग में निर्धारित नियमों और सावधानियों का पालन करने के निर्देश दिए। अधिकारियों ने बताया कि औद्योगिक प्रक्रियाओं में उपयोग होने वाले कुछ अल्कोहल और रसायन मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं। इसलिए इनके उपयोग, रखरखाव और भंडारण में विशेष सतर्कता बरतना आवश्यक है।

### भंडारण और परिवहन के रिकॉर्ड नियमित रखने के निर्देश

अधिकारियों ने पेट्रोलियम एंड एक्सप्लोसिव्स सेफ्टी ऑर्गनाइजेशन (PESO) के माध्यम से आयात किए जा रहे अल्कोहल एवं अन्य रसायनों के सुरक्षित उपयोग को लेकर भी जानकारी दी।

कंपनियों को निर्देशित किया गया कि अल्कोहल के भंडारण, उपयोग और परिवहन से संबंधित सभी आवश्यक रजिस्टर नियमित रूप से संधारित करें। साथ ही ऑनलाइन रिकॉर्ड भी समय पर अपडेट रखें, ताकि विभागीय जांच के दौरान आवश्यक जानकारी उपलब्ध हो सके।

बैठक में अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि कंपनियों को निर्धारित प्रक्रिया और सुरक्षा मानकों के अनुसार ही रेक्टिफाइड स्पिरिट एवं अन्य रसायनों का उपयोग करना चाहिए। बैठक में विभिन्न कंपनियों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

## मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने से पहले ही युवा कांग्रेस अध्यक्ष नजरबंद

देवास,पवनयादव। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के देवास आगमन पर किसानों एवं क्षेत्र की विभिन्न जनसमस्याओं को लेकर ज्ञापन सौंपने वाले हाटपिपल्या युवा कांग्रेस अध्यक्ष प्रशांत सिंह चौहान ने बताया कि शुक्रवार को ज्ञापन देने से पहले ही पुलिस ने उन्हें उनके निवास पर नजरबंद कर दिया।

चौहान द्वारा नर्मदादुक्षिप्रा लिंक परियोजना के अंतर्गत उज्जैनी से क्षिप्रा नदी के प्राकृतिक मार्ग में नर्मदा का जल छोड़ने की मांग की जा रही है, ताकि नदी किनारे बसे गांवों के किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिल सके। इसके साथ ही ग्राम क्षिप्रा में पवित्र क्षिप्रा नदी एवं घाटों की नियमित साफ-सफाई की स्थायी व्यवस्था करने तथा देवास जिले को सूखाग्रस्त घोषित कर प्रभावित किसानों को उचित मुआवजा देने की मांग भी ज्ञापन में शामिल थी। युवा कांग्रेस अध्यक्ष को नजरबंद किए जाने से किसानों की समस्याओं को मुख्यमंत्री के समक्ष रखने का प्रयास बाधित हुआ।

## मुख्य सचिव ने वृद्धाश्रम बसेरा का निरीक्षण किया



देवास,पवनयादव। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत शुक्रवार को मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल ने वृद्धाश्रम बसेरा का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वृद्धाश्रम में निवासरत वृद्धजनों की संख्या एवं उनके लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की जानकारी ली। उप संचालक, सामाजिक न्याय विभाग ने वृद्धाश्रम के संचालन एवं व्यवस्थाओं के संबंध में विस्तार से जानकारी दी। मुख्य सचिव श्री बर्णवाल ने वृद्धजनों से आत्मीय संवाद कर उनका कुशलक्षेम जाना और उनसे पूछा कि उन्हें यहां कैसा लगता है तथा वृद्धाश्रम में किस प्रकार की सुविधाएं मिल रही हैं। निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री कार्यालय के सचिव डॉ. सुदाम खाड़े, संभाग आयुक्त आशीष सिंह, कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना, पुलिस अधीक्षक आदित्य मिश्रा, जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी नवीत कुमार धुर्वे और अपर कलेक्टर शोभाराम सोलंकी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

### निगम ने की चालानी कार्रवाई

देवास,अतिमयादव। व्यर्थ पानी बहने तथा खुले स्थान पर कचरा जलाने पर रहवासियों पर निगम द्वारा निरंतर चालानी कार्रवाई की जा रही है। इसी कड़ी में निगम स्वच्छता निरीक्षक भूषण पवार के द्वारा वार्ड 19 में 2 रहवासियों पर व्यर्थ पानी बहाने पर 1 हजार तथा निजी बोरवेल से सड़क धोने पर 500 रुपये एवं खुले स्थान पर कचरा जलाने पर 300 रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। इसी प्रकार स्वच्छता निरीक्षक प्रवीण खरे के द्वारा वार्ड 8 में व्यर्थ पानी बहाने पर 200 रुपये, कुल 2 हजार रुपये की चालानी कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि गत दिनों निगमायुक्त दिलीप कुमार के द्वारा बैठक के दौरान वार्डों में व्यर्थ पानी बहाने तथा खुले स्थानों पर कचरा जलाने वाले रहवासियों पर चालानी कार्रवाई करने के सख्त निर्देश सभी स्वच्छता निरीक्षकों एवं दरोगाओं को दिए थे।

## कार्टून कोना




# जशन- ए -सलीम 91 साल बे मिसाल अपने बेटे को याद कर रहा है

इंदौर। प्रीतम लाल दुआ सभा गृह में जस्मी इमरान (पत्रकार जसमिन जी एवं डॉ इमरान खान ) द्वारा आयोजित फिल्म जगत की मशहूर हस्ती अपने डायलॉग ‘मेरे पास माँ है’ तेरा किया होगा कलिया कई प्रसिद्ध फिल्मों, दोस्ताना,बचपन, दीवार,अकेला,के लिये जाने जाते हे




हाजी सलीम खान फिल्म हीरों सलमान खान के (वालिद) के कामेंटर श्री सुशील दोषी जी, कपिल शर्मा शो विश्व विख्यात आर्टिस्ट जन्मदिन पर रखे कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि पूर्व मंत्री दिलीप राजपाल एडवोकेट जी विश्व प्रसिद्ध पदम् श्री कपिल देव पटेरिया ,डॉ,इमरान खान डॉ,अब्दुल गफ्फार खान चिरती इस अवसर पर सलीम सहाब के चाहने वाले अनेको लोग उपस्थित थे उक्त जानकारी अब्दुल गफ्फार खान ने दी।

शोभा ताई जी, दिल्ली से आये पत्रकार और लेखक जसीम खान,द्वारा सलीम सहाब पर लिखी पुस्तक का विमोचन भी किया गया कार्यक्रम में राष्ट्रीय कवि सत्येन वर्मा सत्येन डॉ महेश साहू नेता जानकी लाल पटेरिया ,डॉ,इमरान खान डॉ,अब्दुल गफ्फार खान चिरती इस अवसर पर सलीम सहाब के चाहने वाले अनेको लोग उपस्थित थे उक्त जानकारी अब्दुल गफ्फार खान ने दी।

## रतलाम का गराडू बड़नगर का हरा छोंड़ जबलपुर का बटला और जोधपुर की देशी गाजर इंदौरियों की पसंद



इन्दौर । (हीरालाल वर्मा )सर्दी का मौसम आते ही चौथरास सब्जी मंडी में मौसमी सब्जियों की बहार आ गई है मंडी में आसपास के शहरों और दूर दराज के क्षेत्रों से अलग-अलग स्वाद और पहचान वाली सब्जियां पहुंच रही हैंजबनगर का हरा छोड़ कर जबलपुर का बटला रतलाम का गराडू और जोधपुर की देसी गाजर इंदौरियों को खूब भा रही है ।पालक मेथी पत्तागोभी और फूलगोभी की भी भरपूर आवक है। थोक मंडी में सब्जियों के भाव कम होने से अच्छी आवक का असर साफ दिखाई दे रहा है । लेकिन इसका फायदा आम उपभोक्ता तक पूरी तरह नहीं पहुंच रहा है । फुटकर दुकानों और खेलों पर थोक भाव से 10 से 20 रुपए तक अधिक कीमत चुकानी पड़ रही है कुछ पास इलाकों में यह अंतर ?25 किलो तक पहुंच रहा है . प्रदेश की सबसे बड़ी चौथरास सब्जी मंडी में इन दोनों सब्जियों की अच्छी आवत बानी हुई है हरा छोड़ ?20 किलो जबलपुर का बाटला ?40 किलो और रतलाम का गराडू 35 से ?40 किलो किक रहा है जोधपुर की देसी गाजर ?20 किलो मिल रही है हरी सब्जियों में पलक से 10 से 15 रुपए और मिथी 20 से ?25 किलो है ।पत्ता गोभी के भाव को दो से तीन रुपए किलो तक है जबकि फूलगोभी 6 से 8 रुपए प्रति नग प्रति बिक रही है ।


SMFG India Credit

**SMFG INDIA CREDIT COMPANY LIMITED**

कार्पोरेट कार्यालय: 11वीं मंजिल, सी विंग, एनेक्सी 247, लाल बहादुर शास्त्री मार्ग, गांधी नगर विक्रोली (पश्चिम), मुम्बई महाराष्ट्र- 400083

**डिमांड नोटिस**

अंतर्गत वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम 2002 (''अधिनियम'') एवं प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 (''नियम'')

यह कि अधोहस्ताक्षरकर्ता के द्वारा एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कम्पनी लिमिटेड (एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट) के द्वारा अधिनियम के तहत प्राधिकृत अधिकारी के रूप में अधिनियम की धारा 13 (12) सहपठित नियम 3 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयुक्त करते हुए निम्न ऋणीगण को अधिनियम की धारा 13 (2) के तहत डिमांड नोटिस जारी कर संबंधित नोटिस में वर्णित रकम राशि की नोटिस प्राप्त होने से 60 दिवस की अवधि में भुगतान किये जाने की मांग की थी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को इस बात का यकीन हो गया है कि ऋणीगण इन डिमांड नोटिसों की तामिली नहीं होने दे रहे हैं। अतः इन नोटिसें की तामिली नियमों के तहत चस्पा एवं प्रकाशन के द्वारा कार्यों जा रही है। डिमांड नोटिस में प्रदत्त विवरण का सार निम्नानुसार है:-

| ऋणीगणों के नाम | डिमांड नोटिस की तिथि व राशि |
|---|---|
| 1. एपल फैमिली सेलूल एंड स्या<br>2. मंजू सेन<br>3. विशोल सेन<br>LAN- 213121312392637 | 12 नवं. 26, रु. 1,02,43,785.00/- (रुपये एक करोड़ दो लाख तिरालिस हजार सात सौ पिचयासी सिर्फ)<br>दिनांक 04 नवंबर 2026 तक |

बंधक रखी गई अचल सम्पत्तियों का विवरण

सम्पत्ति स्वामी : विशोल सेन

प्र.ट. क्रमांक 34, सर्वे क्रमांक 240/3 पैकी (मतांक पत्रक 240/34/2 (5) उसी पर ग्राम केलोद हाला, जावीस एवं स्थित ईदौर, क्षेत्र होल- 453771, वेलस्त 625.92 वर्ग मीटर, चतुर्दिक : पूर्व- पूर्ति का अन्य सर्वे नंबर, पश्चिम- रास्ता, उत्तर- रास्ता, दक्षिण- इसी सर्वे नंबर का शेष भाग।

| | |
|---|---|
| 1. गुरुकृपा आर्गेनिक फूटविवर<br>2. आशा बाई, 3. विनोद प्रजापत,<br>4. पार्वती प्रजापत, 5. राकेश प्रजापत<br>LAN- 213121312354668 | 12 नवं. 26, रुपये 78,20,329.00/- (रुपये अठहत्तर लाख बीस हजार तीन सौ उनीस सिर्फ) दिनांक 04 नवं. 26 तक |

बंधक रखी गई अचल सम्पत्तियों का विवरण

सम्पत्ति स्वामी : विनोद प्रजापत एवं राकेश प्रजापत,

भुखंड क्रमांक 01, वार्ड क्रमांक 28, स्कीम नं. 54, नु अंजनी नगर, नया निमा ईदौर, पाय होल- 452010, क्षेत्रफल : 749.32 स्क्वेयर, चतुर्दिक- पूर्व : वैकल्पिक, पश्चिम : भुखंड क्रमांक 02 अंजनी नगर, उत्तर : सड़क, दक्षिण : भुखंड क्रमांक 1 ए

अनुगामी को सलाह दी जाती है कि वे डिमांड नोटिस का अनुपालन करते हुए डिमांड नोटिस में वर्णित बकाया ब्याज को भी नहीं राशि का इस नोटिस प्रकाशन से 60 दिवस की अवधि में बकाया राशि में भुगतान डिमि तक उपचिति पर पर ब्याज, अतिरिक्त ब्याज, अनाहत शुल्क, व्यय एवं अन्य खर्चों को जोड़कर कुल बकाया राशि का भुगतान कर दें। ऋणीगण ध्यान दें कि एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट प्रतिभूति लिमटेड है व ऋणीगण द्वारा ली गई ऋण सुविधा प्रतिभूत ऋण व ऋणीगण द्वारा बंधक रखी गई अचल सम्पत्ति/सम्पत्तियाँ प्रतिभूति आस्ति है।

ऋणीगण का ध्यान अधिनियम की धारा 13(8) में प्रतिभूत आस्ति को बकाया राशि का भुगतान कर वापस प्राप्त करने हेतु उपलब्ध समय अवधि की तरफ भी आकर्षित किया जाता है। अधिनियम की धारा 13(13) के तहत ऋणीगण को प्रतिभूत आस्ति का विक्रय करने या किसी भी तरह के संभव्यहार से विक्रय, लीज या अन्य किसी तरीके से (लवसरा की सामान्य प्रक्रिया में अलग) एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट की घोर अनुमति के अंतरित करने से प्रतिबंधित/वंचित/वर्जित किया जाता है। इसका अनुपालन नहीं करने का कोई भी कृत्य अधिनियम की धारा 29 के तहत अपराध होगा। डिमांड नोटिस की प्रति अधोहस्ताक्षरकर्ता के पास उपलब्ध है, ऋणीगण चाहें तो इस प्रति को अधोहस्ताक्षरकर्ता से सामान्य कार्य दिवस में कार्यालयी में समय के दौरान प्राप्त कर सकते है।

स्थान : इन्दौर
तिथि : 28-11-2026

हस्ता/- प्राधिकृत अधिकारी
एसएमएफजी इंडिया क्रेडिट कम्पनी लिमिटेड